

हमारा समाज – विविधता से भरा

कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान

Complete Study Notes

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय में विद्यार्थी समाज और विविधता के अर्थ को समझेंगे तथा भारत की भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, भाषाई और आर्थिक विविधताओं का अध्ययन करेंगे। वे राष्ट्रीय एकता, संवैधानिक मूल्यों तथा परस्पर सम्मान के महत्व को समझेंगे और जानेंगे कि विविधता किस प्रकार हमारे समाज को समृद्ध और मजबूत बनाती है।

परिचय

समाज उन लोगों का समूह है जो मिल-जुलकर रहते हैं, एक-दूसरे का सहयोग करते हैं तथा साझा मूल्यों और जिम्मेदारियों का पालन करते हैं। परिवार बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देता है, जबकि विद्यालय उन्हें विभिन्न पृष्ठभूमियों के बच्चों के साथ मिलकर रहना, सहयोग करना और एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाता है।

भारत विश्व के सबसे विविध देशों में से एक है। यहाँ अनेक भाषाएँ, धर्म, संस्कृतियाँ और परंपराएँ होने के बावजूद सभी लोग मिल-जुलकर रहते हैं। यही भावना "अनेकता में एकता" कहलाती है।

भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विविधता

भारत में हिमालय, मैदान, मरुस्थल, पठार, नदियाँ, वन तथा समुद्री तट जैसे अनेक भौगोलिक क्षेत्र पाए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जलवायु, प्राकृतिक संसाधन और जीवनशैली एक-दूसरे से भिन्न होती है। भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, अनेक त्योहार मनाए जाते हैं और अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है। फिर भी सभी लोग आपसी सम्मान और सद्भाव के साथ रहते हैं।

भाषा, भोजन, पहनावा और आजीविका में विविधता

भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। यह भाषाई विविधता भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती है।

देश के विभिन्न भागों में भोजन, पहनावा और रहन-सहन भी अलग-अलग है। जलवायु, स्थानीय फसलें और संस्कृति लोगों की खान-पान तथा वेशभूषा को प्रभावित करती हैं। लोग कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन, व्यापार, उद्योग, सरकारी सेवाओं तथा अनेक अन्य व्यवसायों से अपनी आजीविका कमाते हैं।

अनेकता में एकता

मूल अवधारणा: "अनेकता में एकता" का अर्थ है कि भाषा, धर्म, संस्कृति, भोजन और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद सभी भारतीय एक राष्ट्र के रूप में एकजुट रहते हैं। यही भावना राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाती है और समाज में शांति एवं सद्भाव बनाए रखती है। राष्ट्रीय पर्वों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा कठिन परिस्थितियों में सभी समुदाय मिलकर एक-दूसरे की सहायता करते हैं।

संवैधानिक मूल्य और राष्ट्रीय पहचान

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है। ये मूल्य प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, समान अवसर और स्वतंत्र जीवन को सुनिश्चित करते हैं। हम सभी अपनी क्षेत्रीय पहचान के साथ-साथ सबसे पहले भारतीय हैं। राष्ट्रीय एकता, सांप्रदायिक सद्भाव और परस्पर सम्मान देश की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

विविधता का महत्व

विविधता समाज को समृद्ध बनाती है। विभिन्न संस्कृतियों, विचारों, परंपराओं और जीवनशैलियों को जानने से आपसी सम्मान, सहयोग और भाईचारे की भावना विकसित होती है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह सभी लोगों के साथ समान व्यवहार करे तथा भारत की विविधता का सम्मान करे।

अभ्यास प्रश्न

- अनेकता में एकता का क्या अर्थ है?
- भारत में पाई जाने वाली चार प्रकार की विविधताओं के नाम लिखिए।
- समाज में परिवार और विद्यालय की क्या भूमिका है?
- संविधान की प्रस्तावना में बताए गए चार प्रमुख मूल्यों के नाम लिखिए।
- समाज में विविधता का क्या महत्व है?

उत्तर

- उत्तर 1:** अनेकता में एकता का अर्थ है कि विभिन्न धर्मों, भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के लोग एक राष्ट्र के रूप में प्रेम और सद्भाव के साथ मिलकर रहते हैं।
- उत्तर 2:** भारत में प्रमुख रूप से भौगोलिक, सांस्कृतिक, धार्मिक तथा भाषाई विविधता पाई जाती है।
- उत्तर 3:** परिवार बच्चों को अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य सिखाता है, जबकि विद्यालय अनुशासन, सहयोग, समानता और विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों के साथ मिलकर रहने की शिक्षा देता है।
- उत्तर 4:** संविधान की प्रस्तावना के चार प्रमुख मूल्य हैं—न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व।
- उत्तर 5:** विविधता समाज में आपसी सम्मान, सहयोग, सांस्कृतिक समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती है तथा समाज को अधिक समृद्ध और समावेशी बनाती है।